Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

ओमिक्रोन को लेकर उत्तरायणी मेले पर संशय, तीन दिन का होगा मेला

निर्णय

नई गाइडलाइन के बाद फिर मेले पर लिया जा सकता है निर्णय

संवाददाता

बागेश्वर। उत्तरायणी मेले पर अभी संशय बना हुआ है। तीन दिन का मेला कराने पर मंथन हुआ है। रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे। बाहर से व्यापारी नहीं आएंगे। ओमिक्रोन की नई गाइडलाइन के बाद फिर मेले पर निर्णय लिया जा सकता है।

शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम विनीत कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें नगर पालिकाध्यक्ष समेत अन्य सीनियर सिटीजन से सुझाव लिए गए। डीएम ने कहा कि वर्तमान में ओमीक्रोन का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जिसको फैलने से रोकना नैतिक जिम्मेदारी है। मेले का आयोजन एक सप्ताह का न होकर केवल तीन दिन होगा। अनावश्यक भीड नहीं होगी। बाहरी राज्यों से आने वाले व्यापारियों पर प्रतिबंध

रहेगा। बाहरी प्रदेश के कलाकारों नहीं बुलाए जाएंगे। स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। धार्मिक अनुष्ठान होंगे। लोकल व्यापारियों एवं उत्पादों को मेले में शामिल किया जाएगा।

व्यापारी उचित मूल्य पर सामान उपलब्ध कराएंगे। ओमीक्रोन की गाइडलाइन का भी पालन होगा। बैठक में पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, ब्लाक प्रमुख पुष्पा देवी, एसपी अमित श्रीवास्तव, सीडीओ डीडी पंत, एडीएम चंद्र सिंह इमलाल, एसडीएम हरगिरी, सीओ विपिन पंत, संजय साह जगाती, रणजीत बोरा, किशन मलड़ा, हरीश सोनी, अनिल कार्की, भुवन कांडपाल, दिलीप खेतवाल, दीपक खेतवाल, इंद्र सिंह परिहार, धीरेंद्र परिहार, नीमा दफौटी आदि मौजूद थे।

तहसील परिसर पर पटवारियों का हल्लाबोलः बागेश्वर। राजस्व निरीक्षकख, उपनिरीक्षक संघ का कार्यबहिष्कार वर्ष के पहले दिन भी जारी रहा। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर गई है। इसके अलावा भूमि और अन्य प्रमाणपत्र भी नहीं बन पा रहे हैं। उन्होंने शनिवार को तहसीलों पर धरना दिया। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया। शनिवार को भी राजस्व कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया।

न्यूज डायरी

गुरु पर्व के आह्वान के लिए शबदी गायन, राजेंद्रनगर जाएगा संगत का जत्था

संवाददाता हल्द्वानी। गुरु गोविंद सिंह जी के 354वें प्रकाश पर्व से पहले शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे सिख संगत ने प्रभातफेरी निकाली। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से गुरुद्वारा चार साहिबजादे पंजाबी कालोनी पहुंची प्रभातफेरी का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। नैनीताल रोड, भोलानाथ बगीचा, जेल रोड होते हुई निकली प्रभातफेरी श्वाहो वाहो गोविंद सिंह आपे गुर चेला..च और श्ऐसे गुर को बल बल जाईये..च जैसे शबदों का गायन करते हुए चल रही थी। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं ने प्रभातफेरी में हाजिरी भरी। गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष सरदार रंजीत सिंह ने संगत व चार साहिबजादे कमेटी का आधार जताया। रविवार सुबह प्रभातफेरी श्री दुरूख निवारण साहिब राजेंद्रनगर जाएगी।

हर बच्चे को शिक्षा देने को सरकार गंभीर

संवाददाता बागेश्वर। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिले में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षार्थियों को टेबलेट वितरित कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक चंदन राम दास व डीएम विनीत कुमार ने संयुक्त रूप से किया। विधायक दास ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा देने के लिए सरकार गंभीर है। डीएम ने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वे अपने मूल कार्य को लगन के साथ करें। विद्यार्थियों की माताओं को भी कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया।

जिला प्रशिक्षण संस्थान परिसर पर शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार व प्रतीकात्मक टेबलेट वितरित किए गए। पुरस्कार में कार्तिक रावत, विशाखा, प्रवीण सिंह धामी, यशवर्धन जोशी को नगद धनराशि, प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कू ऐप पर पक्कारेसोलुशन और टारगेट 2022 का छाया ट्रेंड

संवाददाता हरिद्वार। नया साल आ रहा है और इस खास मौके को लोग अपने–अपने हिसाब से सेलिब्रेट करते हैं। नए साल पर जो एक चीज सबसे ज्यादा मशहूर होती है, वो है नए साल का रिजोल्यूशन, जिसमें लोग बताते हैं कि वे इस साल क्या नया करने वाले हैं या अपनी कौन सी आदत छोड़ने या बदलने वाले हैं। आमतौर पर ये केवल दिखाने और सोशल मीडिया पर चल रही होड़ में शामिल होने के लिए लोगों द्वारा किया जाता है, लेकिन असलियत में बहुत कम लोग अपना रिजोलयूशन पूरा कर पाते हैं। हालाँकि, नए साल 2022 को लेकर इंडियन माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू ऐप पर कुछ अलग ही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। नए साल का स्वागत इस प्लेटफॉर्म के यूजर्स हैशटैगपक्कारेसोलुशन और हैशटैगटारगेट 2022 ट्रेंड चलाकर कर रहे हैं।

औली के गौरसों बुग्याल में मिले दो पर्यटकों के शव

संवाददाता औली। औली के गौरसों बुग्याल में शनिवार को दो पर्यटकों के शव बर्फ में दबे हुए मिल हैं। सूचना पाकर एसडीआरएफ और जोशीमठ पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। मौत का कारण ठंड बताया जा रहा है।

शवों की पहचान की सूचना नहीं: गौरसों बुग्याल में दो पर्यटकों के शवों को लेने के लिए जोशीमठ से एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना हो गई है। खबर लिखे जाने तक टीम वापस नहीं लौटी है। क्षेत्र में संचार सेवा न होने और औली से गौरसों की दूरी अधिक होने के कारण शवों की पहचान की सूचना नहीं मिली है।

गौरसों में अभी भी करीब एक फीट बर्फ जमी: टीम के शव को लेकर जोशीमठ पहुंचने पर ही शवों की पहचान हो सकेगी।

नए साल का जश्न मनान पहुंचे थे

जानकारी के मुताबिक थर्टी फर्स्ट का जश्न मनाने के लिए भारी संख्या में पर्यटक औली पहुंचे थे, इनमें से कुछ घुमक्कड़ पर्यटक सुदूर गौरसों बुग्याल पहुंच गए थे। चारों ओर से जंगल से घिरे गौरसों में अभी भी करीब एक फीट बर्फ जमी है। यहां रात्रि ठहरने की सुविधा नहीं है।

पूर्व पर्वतीय विकास मंत्री बीएल जुंवाठा की 79 वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किये

संवाददाता पुरोला। पुरोला स्मारक स्थल पर बीएल जुंवाठा की 79 वीं जयंती पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। बीएल जुंवाठा का जन्म 1 जनवरी 1943 को ग्राम कुमोला मे हुआ था। हर वर्ष उनकी जयंती उनके स्मारक पुरोला में मनायी जाती है। वे एक कुशल वक्ता, लेखक, कवि व राजनेता थे। जुंवाठा विद्यार्थी जीवन से ही ईमानदारी की मिशाल थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन मे कई महत्वपूर्ण पदों को संभालते हुए क्षेत्र की सेवा की। 79 वीं जयंती पर पुरोला में उन्हें समाजसेवियों व आम जनमानस ने नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उनके सुपुत्र पूर्व विधायक राजेश जुवांठा ने कहा कि वे एक ईमानदार नेता थे उनके कार्यकाल में क्षेत्र मे चौमुखी विकास हुआ।

श्रद्धालुओं की आवाजाही के आगे प्रशासन की व्यवस्था हुई बौनी

संवाददाता सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में नव वर्ष के पहले दिन 80 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर वर्ष भर की खुशहाली के लिए मन्नत मांगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही के कारण प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाएं बौनी साबित हो गई। सुबह से ही पूर्णागिरि मार्ग पर जाम लगना शुरू होगा। यह स्थित शाम तक जारी रही। कोरोना के बाद पहली बार नए साल में मां पूर्णागिरि के दर्शन को इतनी अधिक संख्या में लोग पहुंचे हैं। यहां पर भक्तों की भीड़ के आगे प्रशासन की सारी व्यवस्था धरी रह गई। कोरोना के नियम, पार्किंग की व्यवस्था सब ध्वस्त रही। प्रशासन को वैष्णव देवी में भगदड़ से

नए साल में 80 हजार श्रद्धालुओं ने किए मां पूर्णागिरि के दर्शन

सबक लेकर उचित इंतजाम व सख्ती करनी चाहिए। अन्यथा कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

नायकगोठ, गेंडाखाली, उचौलीगोठ, ठूलीगाड़ व भैरव मंदिर में वाहनों की पार्किंग फुल होने के कारण वाहनों को ककरालीगेट में ही रोकना पड़ा। हर वर्ष नव वर्ष के मौके पर मां पूर्णागिरि धाम में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ते हैं। लेकिन इस बार काफी अधिक भीड़ पहुंच गई। कोरोना के कारण प्रशासन को इतनी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद नहीं थी। श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुक्रवार की शाम से ही शुरू हो गया था। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के अलावा विभिन्न राच्यों से श्रद्धालु मां पूर्णागिरि धाम के दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालु ट्रेन, परिवहन निगम की बसों, चार्टर बसों, निजी वाहनों व दो पहिया वाहनों से आए। ठूलीगाड़ से मां पूर्णागिरि धाम तक भारी भीड़ के कारण प्रशासन की व्यवस्थाएं कम पड़ गईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुख्य मंदिर में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी।

कालिका मंदिर से मां पूर्णागिरि धाम तक बैरिकेटिंग लगाकर श्रदालुओं को बारी–बारी से मां के दर्शनों के लिए भेजा गया। पूर्णागिरि के दर्शन के बाद श्रद्धालु नेपाल केसिद्धबाबा मंदिर पहुंचे। इससे नेपाल का ब्रह्मदेव बाजार भी गुलजार रहा।

चम्पावत के ढकना बड़ोला गांव में नहीं मिल रहा बाघ

संवाददाता चम्पावत। ढकना बड़ोला गांव से लगे जंगल से बाघ नदारद हो गया है। छह दिसंबर को घास लेने जंगल गई महिला को निवाला बनाने के बाद नौ दिसंबर को बाघ की मूवमेंट वन विभाग के कैमरा ट्रैप में कैद हुई थी। तब से लेकर जंगल में न तो बाघ और न ही गुलदार की मूवमेंट दिखाई दी है। इधर ताराचौड़ के पास एक साथ चार गुलदारों का घूमते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ है। लेकिन वन विभाग ने वीडियो की पुष्टि नहीं की है।

बाघ ने छह दिसंबर को ढकना बडोला गांव के जंगल में 35 वर्षीय मीना देवी को मौत के घाट उतार दिया था। पहले यह माना जा रहा था कि महिला के गुलदार ने मारा है। लेकिन तीसरे दिन घटना स्थल पर लगे वन विभाग के कैमरा ट्रैप में बाघ की मूवमेंट दिखाई देने से हड़कंप मच गया था। तब से यह मान लिया गया था कि महिला को बाघ ने मारा है। इसके बाद विभाग ने घटना स्थल पर बड़ा पिंजरा लगा दिया था।